Education plays a vital role in overall development of a person and the society. It is not limited to explaining and disseminating of knowledge and principles. The role of education does not end with providing students with degree or certificates and making them employable, but it goes much beyond this popular notion. It plays a stellar role that actually extends to guiding the nation's present and shaping it's future. In this context; education is responsible for determining the destiny of society, nation and the world.

Shyam Lal College (Evening) is amongst the pioneer institutions of University of Delhi, involved in providing a positive outlook and meaningful context towards life to the young generation. With sheer dedication and valued added education, we have embarked to ensure the holistic development of our young minds. We also present the students with multiple opportunities and platforms to develop and express their free thinking enabling them to face the ever-changing dynamics of the country and the world. We are focusing on building the leaders of tomorrow which will help them stay on course in their personal and professional lives through their dedication and commitment.

Our sincere and creative teachers are working towards making our students follow the path of honesty so that they become asset to any society or institution.

I extend my best wishes to all of you for a golden future. Let us strive sincerely, with all our might, in making the academic year 2022-23, a year of creative education, meaningful pedagogical changes and national development.

Professor Hemant Kukreti
Principal (O.S.D.)

शिक्षा व्यक्ति और समाज के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।यह ज्ञान और सिद्धांत प्रस्तुत करने और उन्हें समझाने तक सीमित नहीं है। छात्रों को डिग्री और प्रमाण पत्र देने तथा रोजगार पाने के योग्य बनाने के बाद भी शिक्षा की भूमिका समाप्त नहीं हो जाती है । राष्ट्र के वर्तमान को सवारने तथा भविष्य को आकार देने में शिक्षा की गहरी भूमिका होती है।इस अर्थ में शिक्षा की सर्वोच्च जिम्मेदारी समाज, राष्ट्र और विश्व की नियति निर्धारित करना है ।

श्यामलाल सांध्य कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थाओं में है जो युवा पीढ़ी के जीवन को सकारात्मक संदर्भ दे रहा है । अत्यंत समर्पण के साथ मूल्य आधारित शिक्षा के माध्यम से उनके समग्र विकास को सुनिश्चित कर रहा है । हम छात्रों को स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त करने और विकसित करने के लिए मंच प्रदान करते हैं । ताकि वे देश और दुनिया में तेजी से हो रहे परिवर्तनों का अच्छे से सामना कर सकें! हम भविष्य के उन नागरिकों को पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो अपने व्यक्तिगत और पेशेवर मोर्चो पर प्रतिबद्धता और समर्पण से डटे रहे।

हमारे महाविद्यालय के कर्मठ और रचनाशील शिक्षक छात्रों को एक आत्मविश्वास से भरपूर ईमानदार मनुष्य में बदलने का उपक्रम करते हैं ताकि वह समाज के लिए मूल्यवान सिद्ध हो सके ।

मैं आपको सुनहरे कल के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हम सब मिलकर 2022_ 2023 को रचनात्मक शिक्षा,सार्थक शैक्षिक परिवर्तनऔर राष्ट्रीय विकास का वर्ष बनाएं ।

प्रोफेसर हेमंत कुकरेती
प्राचार्य (विशेष प्रभार)